प्रेस-विज्ञप्ति

72वें गणतंत्र दिवस और संघ प्रदेश के निर्माण दिवस के अवसर पर दीव समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय ने तिरंगा फहराया और परेड की ली सलामी

दीव 26 जनवरी, 2021 : भारत गणराज्य के 72वें गणतंत्र दिवस के साथ संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण एवं दीव के निर्माण दिवस के पावन अवसर पर दीव समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय ने पद्मभूषण क्रीड़ा संकुल के प्राचीर से तिरंगा फहराकर आज के कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर दीव के पुलिस अधीक्षक, दीव नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष, दीव जिला पंचायत के अध्यक्ष, दीव के उप-समाहर्ता, दीव जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, चुने हुए प्रतिनिधिगण, प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारीगण, मीडियाकर्मी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

समारोह के आरंभ में दीव समाहर्ता ने राष्ट्रीय ध्वज को फहराया और फिर उपस्थित सभी लोगों के द्वारा राष्ट्रगान गाया गया। इसके बाद संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण एवं दीव के माननीय प्रशासक श्री प्रफुल पटेल जी के दीव की जनता के नाम दिये गये संदेश को समाहर्ता ने पढ़ा। अपने संदेश में उन्होंने बताया कि आज का दिन इस देश और खासकर इस संघ प्रदेश के लिए अत्यंत गौरव का दिन है। आज ही के दिन हमारे संविधान निर्माताओं ने अपनी दूरदृष्टि से संविधान की नींव रखी, जिसमें स्वतंत्रता, समानता, धर्मनिरपेक्षता तथा सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय की अवधारणा विधिपूर्वक सुरक्षित है। संविधान में निहित आशय के अनुसार हमें सबके जीवन को उन्नत एवं खुशहाल बनाना हमारे लोकतंत्र की सफलता का आधार कहलाएगा और इसी उद्देश्य के साथ संघ प्रदेश प्रशासन प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि आज इस प्रदेश के लिए दोहरी खुशी और उत्सव का दिन है। आज संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के विलय की पहली वर्षगांठ है। गत वर्ष आज ही के दिन इन दोनों संघ प्रदेशों का विलय हुआ था। प्रदेशों का विभाजन तो आमतौर पर देखने को मिल जाता है मगर हम उस बात के साक्षी हैं जब दो प्रदेश मिलकर एक प्रदेश बना हो। संघ प्रदेशों के एकीकरण से एक ओर जहां इस प्रदेश के भौगोलिक क्षेत्रफल में बढ़ोतरी हुई है वहीं नये संघ प्रदेश के लिए यहां के एक्ट, रूल्स और रेग्यूलेशन्स के संशोधन का कार्य भी आरंभ हो गया है। इससे जहां हमें पुराने नियमों को नये परिवेश में संशोधित करने का मौका मिला है, वहीं आने वाले समय में संघ प्रदेश प्रशासन में कार्यरत कर्मचारियों को संयुक्त कैडर का लाभ भी मिल सकेगा। विलय के बाद इस प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचनात्मक विकास के लिए कई अहम कदम उठाये हैं। संघ प्रदेश के निर्माण दिवस के उपलक्ष्य में "दीव कहे हम स्वच्छ रहें" के मूल-मंत्र को साकार करते हुए यहां के शहरी और ग्रामीण विस्तारों में पिछले एक सप्ताह से स्वच्छता कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इसका मूल उद्देश्य दीव को स्वच्छ और रोगमुक्त बनाना है।

अभिभाषण में आगे जिक्र करते हुए समाहर्ता ने कहा कि पिछले महीने दीव को भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी के आतिथ्य का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ था। उनके आने से इस प्रदेश को कई नई सौगातें प्राप्त हुई हैं। दीव प्रवास के दौरान उन्होंने कई परियोजनाओं का शिलान्यास किया, जिनमें साउदवाडी स्कूल भवन, दीव शहर में 1.3 किमी लंबे हैरिटेज वाक-वे, झांपा और मार्केट परिसर का संरक्षण, फोर्ट रोड स्थित सब्जी और फल मार्केट का उन्नतिकरण शामिल है। दीव के समग्र शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली के विकास का भी शिलान्यास किया गया है, जिसके डंपिंग साईट पर बायो-रेमिडियेशन और बायो-माईनिंग का कार्य शीघ्र ही शुरू हो जाएगा। माननीय राष्ट्रपति जी ने घोघला स्थित कमलेश्वर स्कूल भवन और

आई.आई.आई.टी., वड़ोदरा कैंपस के पहले शैक्षणिक कार्यक्रम का लोकार्पण किया। कमलेश्वर स्कूल भवन में अंग्रेजी माध्यम के एक से आठ तक के बच्चे शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे और आई.आई.आई.टी., वड़ोदरा कैंपस में देशभर के 80 छात्रों का नामांकन बी-टेक पाठयक्रम के पहले सत्र के लिए किया गया है। साथ ही प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 40 कमरों वाले नवनिर्मित जलंधर सर्किट हाऊस, दीव फोर्ट में लाईट एंड साऊंड शो और नागवा बिच पर फूड कोर्ट का भी लोकार्पण किया गया। नागवा में 35 नये फूड-स्टॉलों को लाईसेंस प्रदान किये गये हैं। इसी दौरान दीव के आई.एन.एस. खुकरी स्मारक का भी लोकार्पण किया गया। सन् 1971 की घटना को याद करते हुए 194 शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आई.एन.एस. खुकरी हमारी नौ-सेना के शौर्य और पराक्रम का प्रतीक है और इस अवसर पर इसके इतिहास का जिक्र करते हुए समाहर्ता दीव ने कहा कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान आई.एन.एस. विक्रांत को पाकिस्तानी पनडुब्बी हेंगोर से सुरक्षा प्रदान करते हुए 9 दिसम्बर 1971 को यह पोत समुद्र में समा गयी थी। इस कार्य में नौ-सेना के 18 अधिकारियों के साथ 176 सैनिकों ने जल-समाधि लेते हुए अपने प्राणों की आहूति दी थी। इस घटना के 48 घंटों के भीतर ही भारतीय नौ-सेना ने करांची बंदरगाह पर कब्जा कर बदला ले लिया था। संघ प्रदेश प्रशासन ने इस स्मारक-स्थल के नैसर्गिक एवं ऐतिहासिक महत्व को यथावत रखते हुए इसका विकास किया है, ताकि यहां आने वाले सैलानी नौ-सेना की शौर्य-गाथा से रूबरू हो सकें और उनमें भी देशभक्ति का जज्बा विकसित हो सके। प्रशासन ने भारत के नौ-सेना के गौरवशाली इतिहास से अवगत कराने के लिए यहां एक युद्ध-स्मारक म्यूजियम स्थापित करने का भी निर्णय लिया है। इसके साथ ही सेना के डी-कमिशन्ड युद्धपोत के वॉक-थ्रू को लोगों के दर्शनार्थ लगाने के लिए रक्षा मंत्रालय से प्रशासन की बातचीत चल रही है। इस अवसर पर उन्होंने कोविड वेक्सिन की भी चर्चा की और कहा कि इसके आने से फ्रंट वोरियर, पारामैडिकल स्टाफ और नागरिकों को इसका लाभ मिलेगा। वहीं कोविड की सावधानियों को ध्यान में रखते हुए लोगों के जीवन को पहले की तरह सुगम बनाने के लिए आर्थिक गतिविधियों को दोबारा शुरू किया जा रहा है और शैक्षणिक संस्थान खोले जा रहे हैं। कोविड के दिशा-निर्देशों को ध्यान मे रखते हुए विद्यालयों में फिर से पढ़ाई-लिखाई का काम आरंभ हो गया है। मगर अभी भी मास्क, सेनिटाईजिंग और सोशल डिस्टेंशिंग के जरिये कोरोना महामारी के संक्रमण से सतर्क और सावधान भी रहने की जरूरत है।

अभिभाषण के बाद दीव समाहर्ता द्वारा परेड का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर दीव के बाल भवन के सौजन्य से राजकोट, भावनगर तथा राजस्थान के लोक कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी । समाहर्ता महोदया ने इस अवसर पर विजेताओं को पुरस्कृत किया और फिर राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।